THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (SHRI P.V. RANGAYYA NAIDU): (a) The Faridabad gas based power project hasd been allocated 2.0 Million Cubic Meter Per Day (MCMD) of gas. The supply of gas to the project is linked to the HBO capacity upgradation project scheduled to be completed by July, 1997.

(b) The first Gs Turbine (GT) will be commissioned in 24 months from the date of award of main plant contract and subsequent GTs at 2 months intervals thereafter. The Steam Turbine (ST) will be commissioned in 36 months from the date of award of main plant equipment contract. The precise schedule of commissioning depends on the investment approval for the project and availability of gas.

(c) An agreement for financial assistance of Japanese yen 23.5 billion from Overseas Economic Cooperation Fund (OECF), Japan for the project, being the first tranche of loan, has been signed between the OECF and the Government of inda. Further tranches of loan are expected to be made available by OECF with the progress of the project. The project will be executed by the National Thermal Power Corporation (NTPC).

मध्य प्रदेश से कपास का निर्यात

2825. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों के दौरान तथा चालू वर्ष में अब तक मध्य प्रदेश से निर्यात की गई कपास की मात्रा कितनी है;

(ख) क्या सरकार ने कपास के निर्यात हेतु नये बाजारों का पता लगाने के लिए कदम उठाये हैं; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

वस्त्र मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जी० वेंकट स्वामी): (क) पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान मध्य प्रदेश से निर्यात की गई कपास की मात्रा निम्नोल्लानसार है:—

(मात्रा लाख गांठ में-प्रत्येक गांठ 170 किग्रा)

वर्ष	मात्रा
1990-91	0.180
1991-92	0.0030
1992-93	0.132
1993-94	शून्य

(ख) और (ग) सरकार का प्रयास मूल्य वर्धित मदों जैसे यार्न, फैब्रिक्स, मेड-अप्स और सिले-सिलाए परिधानों के निर्यात बढ़ाने का रहा है। तथापि, निर्यात के लिए निर्यात योग्य बेशी कपास को रिलीज करते समय सरकार के उद्देश्य घरेलू बाजार में कीमतों को स्थिर बनाना, कपास उपजकर्ताओं को लाभप्रद कीमतें प्रदान करना तथा कपास का एक स्थायी सप्लाईकर्ता के रूप में अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में भारत की उपस्थिति बनाए रखना है। ऐसे कोटाओं के आवंटनों जैसे भारतीय कपास निगम, राज्य परिसंघ तथा निजी व्यापार क्षेत्र उनको आवंटित मात्रा का निर्यात करने के लिए बाजारों का पता लगा रहे हैं।

Compensation to Employees of Sick NTC Units

2826. SHRI GOVINDRAO ADIK: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether Government have considered the proposal tht weavers of the closed mills of National Textile Corporation (NTC) or closed weaving departments be given options to hire/purchase four looms on being retrenched; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI G. VENKAT SWAMY): (a) and (b) No mill under the NTC has been closed. Neither has any worker been retrenched. The Government has formulated a Scheme for the purpose of training and redeployment of workers who opt for voluntary retirement under the Voluntary Retirement Scheme to enable them to set up powerloom/reeling units. Institutional finance at concessional rates is available

under the Scheme A production incentive of 25% to 33% of the capital cost of the Scheme is also provided after the powerloom/tceling units are run successfully for six months months to make the venture more profitable.

गुजरात में हथकरघा तथा विद्युतकरघा एककों का कार्यकरण

2827. **श्रीमती आनन्दी बेन जेठाभाई पटेल:** क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या गुजरात में हथकरघा तथा विद्युतकरघा एककों के कार्यकरण के संबंध में कोई अध्ययन किया गया है; और

(ख) यदि हां, तो इसके निष्कर्षों का ब्यौरा क्या है?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जी॰ वेंकट स्वामी): (क) वस्त्र मंत्रालय द्वारा गुजरात में हथकरघा और विद्युतकरघा दोनों की इकाईयों के संबंध में ऐसा कोई सर्वेक्षण नहीं करवाया गया। तथापि विकेन्द्रीयकृत क्षेत्र में पावरलूम बुनाई और प्रोसेसिंग में प्रभावी प्रणाली की एक परियोजना के संबंध में 1987 में अटीरा और मंत्रा द्वारा संयुक्त रूप से कार्य किया गया।

(ख) अटीरा मंत्रा की उपलब्धि का सार इस प्रकार है:—

अहमदाबाद और उसके आस-पास के क्षेत्र में निकट भविष्य में पावरलूम उद्योग में बढ़ोतरी का रूख जारी रहने का अनुमान है। ब्याज की दरें भी अधिक पाई गई हैं। जहां तक कच्चे माल का संबंध है सूत की क्वालिटी और इसके काऊंट के संबंध में शिकायतें है। कई इकाईयों को आधुनिकीकरण की सुविधाओं की आवश्यकता है। इस उद्योग की मुख्य आवश्यकता दक्षता में सुधार लाना है। नयी वस्त्र नीति में किए गए परिवर्तन में यह दर्शाया गया है कि पावरलूम बुनाई को आधुनिक बनाना होगा। अवशेष में कमी, अच्छी व अधिक मूल्य वाली बुनाई अपनानी होगी ताकि वे संगठित क्षेत्र में क्वालिटी और मूल्य दोनों में ही प्रतिस्पर्धा ले सकें। चूंकि प्रोसेस्ट किए गए धागे (साइज, ट्विष्ट, टैक्सचर आदि) के प्रयोग में बढ़ोतरी होगी इसलिए प्रत्ये कदम पर अधिक नियन्त्रण रखना आवश्यक है ताकि रंगाई/छपाई की त्रुटियों से बचा जा सके।

All India Handloom Fabrics Marketing Cooperative Society Limited

2828. SHRI MAULANA OBAIDULLAH KHAN AZMI:

Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether the present President of the All India Handloom Fabrics Marketing Cooperative Society Ltd., is holding the post of President of the Society for the past 11 years inspite of having lot of complaints against him;

(b) how many years can a Chairman/President of a Cooprative Society held the same post as per Multi State Cooperative Society Act;

(c) whether Government have received any complaint against the President/Chairman about the malpractices in the All India Handloom Fabrics Marketing Cooperative Society Ltd., if so, what action has been taken;

(d) How much money has been spent by the society for various types of court cases during the tenure of the present President/Chairman; together with the number of cases;

(e) what policy has been adopted by the All India Handloom Fabrics Marketing Cooperative Society for purchasing clothes/goods from the Coop. societies, and policies of recruitment and promotion;

(f) how many foreign and domestic tours have been undertaken by present President of the society during his tenure and the expenditure incurred on his tours; and

(g) whether it is a fact that the General Secretary of the Handloom House Employees Union had been suspended for sending a letter to Prime Minister in connection with the mismanagement going on the All India Handloom Fabrics Marketing Cooperative Society?

THE MINISTER OF STATES OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI G. VENKAT SWAMY): (a) The Multi